ई-संदेश

15 मई, 2025 | अंक 153

सात दिन – सात पृष्ठ

भारत शौर्य तिरंगा यात्रा के शुभारंभ पर नेतृत्व देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

- उ0प्र0, देश की विकास गाथा का पर्याय, उ0प्र0 बैरियर नहीं, भारत का ग्रोथ इंजन
- अयोध्या देश की पहली सोलर सिटी के रूप में अपनी एक नई पहचान बना रही
- लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन देश की रक्षा अभियान का एक बड़ा हिस्सा
- नदी पुनरुद्धार को केवल परियोजना नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना और जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करें
- प्रधानमंत्री जी ने 'ऑपरेशन सिन्दूर' के दौरान पूरे देश को एकजुट रखने का काम किया
- चित्र प्रदर्शनी

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

उ0प्र0, देश की विकास गाथा का पर्याय, उ0प्र0 बैरियर नहीं, भारत का ग्रोथ इंजन : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष श्री अजय बंगा के साथ एक बैठक के दौरान 'यूपी-एग्रीज' तथा 'एआई प्रज्ञा' कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया। ज्ञातव्य है कि विश्व बैंक के सहयोग से लागू 'यूपी-एग्रीज' कार्यक्रम के जरिए प्रदेश के पूर्वांचल व बुन्देलखण्ड क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक आधारित खेती को बढ़ावा मिलेगा। इससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी तथा 10 लाख किसानों को फायदा होगा। 'एआई प्रज्ञा' कार्यक्रम के जरिए उत्तर प्रदेश को आर्टिफिशियल इण्टेलिजेंस हब के तौर पर स्थापित करने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के 10 लाख युवाओं को आर्टिफिशियल इण्टेलिजेंस के विभिन्न पहलुओं में दक्ष बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने बैठक के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, देश की विकास गाथा का पर्याय है। आज सम्पूर्ण विश्व ने मान लिया है कि उत्तर प्रदेश बैरियर नहीं, बल्कि भारत का ग्रोथ इंजन है। आज लागू किए गए दोनों कार्यक्रम प्रदेश के 'वन ट्रिलियन डॉलर' की इकोनॉमी बनने के सपने को साकार करेंगे। उन्होंने यूपी-एग्रीज प्रोजेक्ट में विश्व बैंक की सहभागिता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यूपी-एग्रीज के जरिए प्रदेश की कृषि उत्पादकता को बढ़ाने में मदद मिलेगी, जो किसानों की उन्नति का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री जी ने विश्व बैंक के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि विश्व बैंक हमेशा उत्तर प्रदेश की उन्नति में बड़ा भागीदार बनकर उभरता है। पर्यावरण संरक्षण हो, प्रदेश में टूरिज्म को बढ़ावा देना हो या फिर अवस्थापना से जुड़ी परियोजनाओं का संचालन हो, विश्व बैंक हमेशा से महती भूमिका निभाता रहा है। 'यूपी-एग्रीज' परियोजना से 10 लाख किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा, जिसमें 30 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की होगी। 10 हजार महिला उत्पादक समूहों को परियोजना से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा 500 किसानों को सर्वोत्तम कृषि तकनीकी जानकारी के लिए विदेशों में भेजा जाएगा। इससे छोटे किसानों को सशक्त बनाने और क्षेत्रीय विषमताओं को खत्म करने में मदद मिलेगी। परियोजना से पूर्वी उत्तर प्रदेश के 21 जनपदों-श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर, गोण्डा, सिद्धार्थनगर, बस्ती, महराजगंज, संतकबीरनगर, कुशीनगर, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी, चन्दौली, मीरजापुर, सोनभद्र और संतरविदासनगर तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 07 जनपदों-जालौन, झांसी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, ललितपुर और चित्रकूट के किसान लाभान्वित होंगे।

'एआई प्रज्ञा' पहल निश्चित ही उत्तर प्रदेश को भारत के तकनीकी मानचित्र पर एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट, इण्टेल, एच0 सी0एल0, वाधवानी फाउण्डेशन, अमेजन, गूगल और 1-एम 1-बी जैसी वैश्विक दिग्गज कम्पनियां राज्य सरकार के साथ मिलकर प्रदेश में अपस्किलिंग प्रोग्राम चलाएंगी।

अयोध्या देश की पहली सोलर सिटी के रूप में अपनी एक नई पहचान बना रही : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज अयोध्या के विकास की एक नई कड़ी की शुरुआत हो रही है। नई अयोध्या में सद्गुरु संत रविदास जी मंदिर के सौन्दर्यीकरण के क्रम में सत्संग भवन का लोकार्पण किया गया है। संत रविदास जी मध्यकालीन भारत के ऐसे सिद्ध पुरुष थे, जिन्होंने अपनी कर्म प्रधान व्यवस्था के माध्यम से तत्कालीन समाज की सुप्त चेतना को जागृत करने का कार्य किया था। उन्होंने उस समय पूरी मजबूती के साथ सामाजिक विसंगतियों के खिलाफ आह्वान करते हुए सोए समाज को जागरूक करने का कार्य किया था।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद अयोध्या में 115 लाख रुपये लागत से प्राचीन संत रविदास मंदिर में मूलभूत सुविधाओं के विकास, सौन्दर्यीकरण कार्यों एवं नवनिर्मित सत्संग भवन का लोकार्पण करने के उपरान्त इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महंत श्री बनवारी पति ब्रह्मचारी जी महाराज द्वारा दिए गए प्रस्ताव के आधार पर पर्यटन विभाग द्वारा प्राथमिकता से इन कार्यों को आगे बढ़ाया गया है। यहां रजक समाज, पासी समाज, वाल्मीकि समुदाय तथा अन्य सभी समुदाय से जुड़े हुए मन्दिरों ने समाज को एक प्रेरणा दी है। इसी प्रेरणा से अयोध्या के अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नामकरण महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आजादी के बाद के 75 वर्षों में देश में अनेक सरकारें बनीं, लेकिन उन्होंने अयोध्या के विकास के लिए कुछ नहीं किया।

आज देश और दुनिया की निगाहें अयोध्या की ओर है। हर व्यक्ति अयोध्या धाम और यहां के मन्दिरों का दर्शन करना चाहता है। अयोध्या जो भगवान श्रीराम की जन्मभूमि और सूर्यवंश की राजधानी है, आज देश की पहली सोलर सिटी के रूप में भी अपनी एक नई पहचान बना रही है।

मुख्यमंत्री जी ने संत रविदास जी महाराज जी मन्दिर के श्रीमहन्त, पासी समाज और कबीर मठ से जुड़े महन्त, रजक समाज या अन्य पवित्र स्थलों से जुड़े पूज्य संतजन को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता समाज के सभी वर्गों को जोड़कर आगे बढ़ने तथा उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम सब मिलकर नए भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान दे पाएं, इसके लिए हमारा संकल्प अपने कर्तव्यों के साथ जुड़ना चाहिए। राष्ट्र प्रथम, उसके बाद परिवार और उसके बाद व्यक्ति का हित, जब इस भावना से कार्य किया जाएगा, तो दुनिया की सभी समस्याओं का समाधान हमारे हाथों में होगा। लोगों की भावनाएं देश, सेनाओं और शीर्ष नेतृत्व के प्रति पवित्र भाव से जुड़नी चाहिए।

लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन देश की रक्षा अभियान का एक बड़ा हिस्सा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भारत सरकार के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी के साथ उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इण्टीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी उद्घाटन किया। डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर में आत्मनिर्भरता के लिए 'मेक इन इण्डिया' अभियान के तहत इस फैसिलिटी की स्थापना की गयी है। उन्होंने टाइटेनियम एण्ड सुपर एलॉय मैटेरियल प्लाण्ट का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर स्ट्रैटजिक मैटेरियल टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स के एयरोस्पेस प्रेसिसन कास्टिंग प्लाण्ट, ट्रैरक प्रेसिसन सॉल्यूशन यू0के0, एयरोस्पेस फोर्ज शॉप एण्ड मिल प्रोडक्ट्स प्लाण्ट, एयरोस्पेस प्रेसिसन मशीनिंग शॉप, स्ट्रैटजिक पाउडर मैटलर्जी फैसिलिटी, स्ट्राइड एकेडमी तथा पी0टी0सी0 रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट सेण्टर का शिलान्यास किया गया। रक्षा मंत्री जी कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री जी ने कहा कि आज का दिन लखनऊ, उत्तर प्रदेश और पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। आज ब्रह्मोस एयरोस्पेस इण्टीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया गया है।

रक्षा मंत्री जी ने मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने कम समय में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इण्टीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी सेण्टर की स्थापना हो सकी है, तो इसके पीछे मुख्यमंत्री जी का बहुत बड़ा योगदान है। डी0 आर0डी0ओ0 के वैज्ञानिक, इंजीनियर और इस प्रोजेक्ट से जुड़े हर व्यक्ति का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, जिन्होंने दिन-रात मेहनत करके इस इण्टीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी का निर्माण किया है।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि हमारा सपना है कि उत्तर प्रदेश दुनिया के टॉप डिफेंस प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन के रूप में जाना जाए। आज ब्रह्मोस एयरोस्पेस इण्टीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का शुभारम्भ हो रहा है। यह उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर का गौरव बनेगा। यह उत्तर प्रदेश का ही नहीं बल्कि देश का सबसे बड़ा ब्रह्मोस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी केन्द्र है।

रक्षा मंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के निर्माण से राज्य के औद्योगिक विकास का एक नए सिरे से श्रीगणेश हो चुका है। डिफेंस कॉरिडोर में अब तक लगभग 180 एम0ओ0यू0 किए जा चुके हैं, जिसमें लगभग 34 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इस कॉरिडोर में अब तक 4,000 करोड़ रुपये का निवेश किया भी जा चुका है। नेशनल टेक्नोलॉजी डे के दिन इस हाई टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म फैसिलिटी का शुभारम्भ करना अपने आप में एक मील का पत्थर है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वयं को ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरुप रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त करते हुए मेक इन इण्डिया की अवधारणा को आगे बढ़ाने के क्रम में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इण्टीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया जा रहा है। रक्षा सामग्री की आपूर्ति के लिए अन्य देशों पर निर्भर होने के स्थान पर स्वयं आत्मनिर्भर होना किसी भी स्वावलम्बी देश के लिए आवश्यक है। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर देश गर्व के साथ अपनी सम्प्रभुता व सीमाओं

व सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी तथा रक्षा मंत्री जी ने उत्तर प्रदेश को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में विकसित करने के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। वर्ष 2018 में प्रदेश की पहली इन्वेस्टर्स समिट लखनऊ में आयोजित की गयी थी। उस समय केन्द्रीय बजट में 02 डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के निर्माण की घोषणा की गयी थी। जिसमें से एक डिफेंस कॉरिडोर उत्तर प्रदेश में स्थापित करने का निर्णय प्रधानमंत्री जी द्वारा लिया गया था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 06 डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसके माध्यम से 01 लाख युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। इस क्षेत्र में देश तथा दुनिया के अलग-अलग भागों से प्रदेश के साथ अब तक 57 एम0ओ0यू0 किये जा चुके हैं। इनके माध्यम से प्रदेश के रक्षा क्षेत्र में 30 हजार करोड़ रुपये का निवेश होने जा रहा है। डी0आर0डी0ओ0, पी0टी0सी0, एल0 एण्ड टी0, गोदरेज, बी0डी0एल0 आदि इकाइयां स्थानीय स्तर पर ट्रेनिंग देकर युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराएंगी। ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा ए0के0टी0यू0 में सम्पन्न करायी गयी परीक्षा के माध्यम से प्रदेश के अनेक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। भारत डॉयनेमिक्स लि0 वर्ष 2021 से झांसी में अपना कार्य तेजी से आगे बढ़ा रहा है। वर्ष 2013-14 में भारत द्वारा किये गये रक्षा निर्यात से आज कई गुना अधिक रक्षा निर्यात किया जा रहा है। भारत द्वारा अनेक मित्र राष्ट्रों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री जी, रक्षा मंत्री जी तथा तीनों सेनाओं के बहादुर जवानों को प्रदेशवासियों की ओर से बधाई देते हुए कहा कि 'ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत आपने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखी होगी। आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री जी ने घोषणा की है कि किसी भी आतंकी घटना को अब युद्ध माना जाएगा। जब तक हम आतंकवाद को पूरी तरह नहीं समाप्त

करेंगे, तब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। आतंकवाद को कुचलने के लिए प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पूरे भारत को एकजुट होने का समय आ गया है। आतंकवाद को उसी की भाषा में जवाब देने की जरूरत है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज व्यक्ति सुरक्षित है तथा पूंजी भी सुरक्षित है। हम सभी देश की सुरक्षा के लिए मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे हैं। विगत 08 वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा 33 सेक्टोरियल पॉलिसीज के माध्यम से प्रदेश को निवेश के ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया गया है। अब तक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को जमीनी धरातल पर उतारा जा चुका है। इसके माध्यम से प्रदेश के लाखों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य किया गया है। उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक एम0एस0एम0ई0 इकाइयां हैं। एम 0एस0एम0ई0 की परम्परागत इकाइयों को टेक्नोलॉजी तथा डिजाइन के साथ जोड़ने का कार्य किया गया है। इन इकाइयों के माध्यम से 01 करोड़ 65 लाख युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का रेवेन्यु सरप्लस स्टेट है। यह देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा राज्य की कनेक्टिविटी तथा इण्टरस्टेट कनेक्टिविटी को 4-लेन के साथ जोड़ा गया है। प्रदेश सर्वाधिक एयरपोर्ट वाला राज्य है। वर्तमान में यहां 04 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। इस वर्ष 5वां इण्टरनेशनल एयरपोर्ट क्रियाशील होने जा रहा है। यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। राज्य में सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे तथा रेलवे का नेटवर्क है। सर्वाधिक मेट्रो संचालित हो रही हैं। देश की पहली रैपिड रेल उत्तर प्रदेश में है।

राज्य में वाराणसी से हल्दिया के बीच स्थित देश का पहला इनलैण्ड वॉटर-वे स्थित है।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

नदी पुनरुद्धार को केवल परियोजना नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना और जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि हम नदी पुनरुद्धार को केवल परियोजना नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना और जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करें। लखनऊ की गोमती नदी, गाजियाबाद की हिण्डन नदी, काशी की वरुणा नदी सहित प्रदेश की विभिन्न नदियों के पुनर्जीवन के लिए हमें मिशन मोड में कार्य करते हुए मिलकर प्रयास करने होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने राजधानी लखनऊ की गोमती नदी पर विशेष ध्यान देते हुए 'अविरल-निर्मल गोमती' की परिकल्पना को मूर्त रूप देने हेतु निर्देशित किया कि एक माह के भीतर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि यह जनमहत्व का कार्य है, जिसे शीर्ष प्राथमिकता पर रखते हुए अन्य सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण कर मानसून उपरांत इस पर भौतिक कार्य प्रारम्भ कर दिया जाए। गोमती नदी की स्वच्छता कार्ययोजना को जनसहभागिता के माध्यम से आगे बढ़ाया जाए। जल निकासी व्यवस्था में सीवर और ड्रेनेज को पृथक रूप से देखा जाए और गोमती नदी में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज की स्थिति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गोमती नदी की तर्ज पर प्रदेश की अन्य नदियों जैसे हिण्डन नदी, वरुणा नदी आदि के लिए भी कार्ययोजना तैयार की जाएं और इसकी नियमित मॉनिटरिंग भी की जाए। मुख्यमंत्री जी ने 'जल जीवन मिशन' एवं 'हर घर नल' योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संकल्प है, जिसे प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ साकार कर रही है। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में 37,730 ग्रामों में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जिनमें 25,166 ग्रामों का प्रमाणीकरण भी पूर्ण हो चुका है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 3,016 और विंध्य क्षेत्र के 2,051 गांवों में प्रतिदिन शुद्ध जलापूर्ति हो रही है। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन दुर्गम क्षेत्रों में कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता और संचालन-रखरखाव की जिम्मेदारी स्पष्ट की जाए। गांवों में जल समितियों को सक्रिय करते हुए हर स्तर पर जनसहभागिता को बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री जी ने वर्तमान गर्मी के मौसम को देखते हुए पूरे प्रदेश में निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जनपद स्तरीय प्रशासनिक इकाइयाँ 24x7 अलर्ट मोड पर रहें। सभी उपलब्ध पेयजल स्रोत सक्रिय रहें। गांवों में पेयजल संकट की सूचना त्वरित रुप से प्राप्त हो, इसके लिए सभी जनपदों में कंट्रोल रुम स्थापित किए जाएं और नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर उनका प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। सभी खराब हैण्डपम्पों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री जी ने 'हर घर नल' योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि जहां-जहां पेयजल पाइपलाइन डालने या अन्य कार्यों के कारण सड़कों की खुदाई हुई है, उनकी मरम्मत प्राथमिकता से की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'जल जीवन मिशन' के माध्यम से जहां एक ओर जल की उपलब्धता बढ़ी है, वहीं इससे सामाजिक सम्मान, विशेषकर महिलाओं की गरिमा और समय की बचत को भी बल मिला है।

प्रधानमंत्री जी ने 'ऑपरेशन सिन्दूर' के दौरान पूरे देश को एकजुट रखने का काम किया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेशवासियों की ओर से 'ऑपरेशन सिन्दूर' की सफलता के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि पूरा देश भारतीय सेना के जवानों की वीरता की प्रशंसा करते हुए उनका अभिनन्दन करने के लिए उतावला दिखायी दे रहा है। देश और दुनिया ने भारतीय सेना के बहादुर जवानों के शौर्य और पराक्रम का लोहा माना है। तिरंगे के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करने, सैनिकों को सर्वाच्च सम्मान देने तथा प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए उत्तर प्रदेश में भी आज से तिरंगा यात्रा का शुभारम्भ हो रहा है। तिरंगा भारत के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर 'भारत शौर्य तिरंगा यात्रा' का शुभारम्भ करने से पूर्व इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने तिरंगे के साथ 'भारत शौर्य तिरंगा यात्रा' की अगुवाई की तथा यात्रा में शामिल स्कूली बच्चों तथा अन्य लोगों का प्रोत्साहन किया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद यहां उपस्थित सभी लोग उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में भागीदार बनने आये हैं। यही धैर्य और समर्पण का भाव भारत के नागरिकों ने 'ऑपरेशन सिन्दूर' के दौरान प्रदर्शित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 22 अप्रैल, 2025 को आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में की गयी बर्बरता की पूरी दुनिया व देश ने निन्दा की थी। आतंकवाद का पोषक पाकिस्तान और उसके आका इस पूरी घटना पर मौन बने रहे। देश की आन-बान-शान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध भारत सरकार द्वारा इस घटना के सभी प्रमाण दिये जाने के पश्चात भी जब पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, तो 'ऑपरेशन सिन्दूर' प्रारम्भ किया गया। इस ऑपरेशन के पहले दिन ही 100 से अधिक आतंकियों और आतंक की विषबेल को पालने-पोसने वाले लोगों को उनके वीभत्स कृत्य की सजा दी गयी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी नेशन फर्स्ट के भाव के साथ कार्य कर रहे हैं। यही संकल्प प्रधानमंत्री जी ने देश की आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में भारतवासियों को कराया था। आज इसी संकल्प को दोहराने के लिए हम इस तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हो रहे हैं। जब 140 करोड़ भारतवासी राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे, तो दुनिया की कोई ताकत भारत की शक्ति के सामने नहीं टिक पाएगी।

प्रधानमंत्री जी ने 'ऑपरेशन सिन्दूर' के दौरान पूरे देश को एकजुट रखने का काम किया। उन्होंने कल पंजाब के आदमपुर एयरबेस में जाकर सेना के जवानों का हौसला बढ़ाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी चुनौती या संकट के समय हमारा धैर्य और एकता हमारी सबसे बड़ी पूंजी होती है। इसी धैर्य और एकता के वातावरण में भारत की तीनों सेनाओं के वीर जवानों द्वारा पाकिस्तान द्वारा किये गये दुस्साहस का मजबूती के साथ प्रत्युत्तर दिया। दुनिया को संदेश दिया गया कि हम छेड़ेंगे नहीं, लेकिन यदि कोई छेड़ेगा तो उसे छोड़ेंगे भी नहीं। जो भी भारत की तरफ आंख उठाकर देखेगा, उसका यही हश्र किया जाएगा।

चित्र प्रदर्शनी

मुख्यमंत्री ने 'भारत शौर्य तिरंगा यात्रा' का शुभारम्भ किया

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए

निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित